॥श्रीमाणिक्यप्रभुर्विजयते॥

दत्तजयंती महोत्सव

२०२५

दत्तात्रेयं महेशानं सर्वयोगविशारदम्। मनोहरसुतं गौरं वन्देऽहं माणिकप्रभुम्॥

॥ श्री गुरु अवधूत ॥

श्री ज्ञानराज माणिकप्रभु

एकं सद्विप्रा बहुधा वदन्ति

विश्वावसुनाम संवत्सर 1947
श्री माणिक शक 208

श्री भक्तकार्यकल्पद्रुम गुरुसार्वभौम श्रीमद्राजाधिराज योगिमहाराज त्रिभुवनानन्द अद्वैत अभेद निरञ्जन निर्गुण निरालम्ब परिपूर्ण सदोदित सकलमतस्थापित श्री सद्गुरु माणिकप्रभु महाराज की जय!

साधारण मनुष्यों के जन्म में एवं दिव्य महापुरुषों के आविर्भाव में भेद होता है। मनुष्य 'जन्म' लेते हैं और दैवी पुरुष 'अवतार' धारण करते हैं। मनुष्य के जन्म में एवं ईश्वर के अवतार में भेद यह है कि मनुष्य अपने कर्मों के अनुसार शरीर धारण करता है और ईश्वर स्वेच्छा से शरीर धारण करता है। एक व्यक्ति कुँए में गिरता है और दूसरा उसे बचाने के लिए कुँए में उतरता है। दोनों ही कुँए में गिरे, किंतु दोनों का कुँए में गिरना समान नहीं है। एक अपने कर्मों के कारण कुँए में गिरा और दूसरा उसे बचाने के लिए कुँए में उतरा। अवतार शब्द का अर्थ उतरना है। ईश्वर जब स्वेच्छा से अपने मूलस्वरूप को आवृत्त कर मर्त्यलोक में मानव शरीर धारण करता है, तब उसे अवतार कहते हैं।

गीता में श्रीभगवान् कहते हैं - **"अजोऽपि सन्नव्ययात्मा भूतानामीश्वरोऽपि सन्। प्रकृतिं स्वामधिष्ठाय संभवाम्यात्ममायया।।4.6।।"** मैं अजन्मा और अविनाशी-स्वरूप होते हुए भी तथा सम्पूर्ण प्राणियों का ईश्वर होते हुए भी अपनी प्रकृति को अधीन करके अपनी योगमाया से प्रकट होता हूँ। मनुष्य में और ईश्वर में भेद केवल इतना है कि मनुष्य माया के वशीभूत होकर जन्म लेता है और ईश्वर उस माया को वश में करते हुए अवतार धारण करता है। ईश्वर आनंदरूप होने के कारण संसार के सुखदु:खों से सर्वथा अप्रभावित रहता है और मनुष्य माया के कारण सतत दु:ख भोगता रहता है। इस दु:ख से निवृत्ति का एकमात्र उपाय माया से अतीत हो जाना है।

साक्षात् दत्तात्रेय भगवान् ने श्री सद्गुरु माणिकप्रभु महाराज के रूप में अवतार धारण कर इस माया से अतीत होने का उपाय जगत् को दिखाया। . **"दैवी ह्येषा गुणमयी मम माया दुरत्यया। मामेव ये प्रपद्यन्ते मायामेतां तरन्ति ते।।7.14।।"** मेरी यह गुणमयी दैवी माया बड़ी दुरत्यय है अर्थात् इस से पार पाना बड़ा कठिन है। जो केवल मेरे ही शरण होते हैं, वे इस माया को तर जाते हैं।

प्रभु की शरण में जाने के लिए श्री दत्तजयंती महोत्सव से अधिक उपयुक्त अन्य मुहूर्त नहीं है, अत: अत्यंत आनंदपूर्वक सूचित किया जाता है कि श्रीप्रभु का महामांगल्यप्रद 208वाँ श्रीदत्तजयंत्युत्सव मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी, सोमवार 1 दिसंबर 2025 से मार्गशीर्ष कृष्ण प्रतिपदा शुक्रवार 5 दिसंबर 2025 तक संलग्न कार्यक्रमानुसार अत्यंत वैभवपूर्वक सुसंपन्न हो रहा है। अस्तु इस महन्मंगल अवसर पर आप सभी सकुटुंब सपरिवार स्वाश्रितजनसमेत शुभागमन कर श्रीदर्शन तीर्थप्रसाद सेवन व भजनानंद क्रीड़ा से हमारे आनंद को वृद्धिंगत करें.

आशीर्वाद

श्री दत्तजयंती महोत्सव 2025 - कार्यक्रम

शनिवार 29-11-2025

तीर्थस्नान व योगदंड पूजन

दोपहर	02:00	तीर्थस्नान
दोपहर	03:00	योगदंड पूजन
रात्रि	08:30	महाप्रसाद

मंगलवार 2-12-2025

श्री प्रभु द्वादशी

प्रात:	10:00	संगम स्नान
प्रात:	11:00	महारुद्राभिषेक एवं जप
दोपहर	02:00	राजोपचार महापूजा
सायं	07:00	प्रदोषपूजा
रात्रि	08:30	महाप्रसाद

रविवार 30-11-2025

सकलदेवता निमंत्रण

प्रात:	10:00	गणपति पूजन व चंडीपाठ
सायं	06:00	सकलदेवता निमंत्रण
रात्रि	08:30	महाप्रसाद

सोमवार 1-12-2025

160वीं श्री प्रभु पुण्यतिथी

प्रात:	06:37	सुप्रभात सेवा
प्रात:	07:30	महारुद्राभिषेक एवं जप
प्रात:	10:30	राजोपचार महापूजा
दोपहर	03:00	आराधना
सायं	07:00	प्रदोषपूजा
रात्रि	08:30	महाप्रसाद

बुधवार 3-12-2025

दक्षिणा दरबार एवं गुरुपूजन

प्रात:	09:00	महारुद्राभिषेक व जप
दोपहर	01:30	दक्षिणा दरबार व गुरुपूजन
सायं	06:00	प्रवचन
सायं	07:00	प्रदोषपूजा
रात्रि	08:30	महाप्रसाद

गुरुवार 4-12-2025

208वीं श्रीप्रभु जयंती

प्रात:	09:00	महारुद्राभिषेक व जप
दोपहर	01:00	दर्शन व पाद्यपूजा
सायं	07:00	राजोपचार महापूजा
रात्रि	09:00	महाप्रसाद

शुक्रवार 5-12-2025

श्री प्रभु दरबार

रात्रि	11:30	प्रभु दरबार आरंभ
रात्रि	12:00	प्रभु जन्मोत्सव
रात्रि	12:30	संगीत सभा

अपरिहार्य परिस्थिति में उपर्युक्त कार्यक्रमों में परिवर्तन की संभावना है।

Shri Manik Prabhu Samsthan - Maniknagar

URL: https://manikprabhu.org | Contact: +91 9448469913

DONATE FOR

JAYANTI ANNADAN

https://manikprabhu.org/jayanti-annadaan/

DONATE FOR

DATTA JAYANTI

https://manikprabhu.org/product/donation_prabhu_seva/

Datta Jayanti Mahotsav 2025 - Annadaan

PRABHU PUNYATITHI

Mon. 1-12-2025

Breakfast	12,000
Chatni	6,500
Bhaji	8,500
Poori	9,000
Shrikhand	10,000
Rice	20,000
Kadhi	9,000
Sheera	9,000
Ghee	9,000
Banana Leaves	9,000
Total	**1,02,000**

PRABHU DWADASHI

Tue. 2-12-2025

Breakfast	12,000
Chatni	6,500
Bhaji	8,500
Puran Poli	16,000
Milk	9,000
Rice	25,000
Sambar	11,000
Vada	11,000
Ghee	12,000
Banana Leaves	10,000
Total	**1,21,000**

DAKSHINA DARBAR GURU POOJAN

Wed. 3-12-2025

Breakfast	12,000
Chatni	6,500
Bhaji	8,500
Doodh Kheer	11,000
Rice	25,000
Sambar	11,000
Chitrannam	11,000
Ghee	8,000
Banana Leaves	10,000
Total	**1,03,000**

PRABHU JAYANTI

Thu. 4-12-2025

Breakfast	15,000
Rice	1,00,000
Sambar	75,000
Bondi Laddu	1,00,000
Pattal	60,000
Total	**3,50,000**

PRABHU DARBAR

Fri. 5-12-2025

Total Darbar Annadan

1,51,000

Net Banking/Credit/Debit Card

Go to
https://manikprabhu.org/jayanti-annadaan/

QR Code/UPI

Manigiri Welfare Trust

QR919448469913-1839@unionbankofindia

Cheque/Draft/Bank Transfer

Bank	: **State Bank of India**
A/c Name	: **Manigiri Welfare Trust**
A/c Number	: **30181342057**
A/c Type	: **Savings**
IFSC	: **SBIN0006028**
Pan Number	: **AAATM9811D**
Branch	: **Humnabad**

Important

Please inform the Samsthan about your transaction by email only to **accounts@manikprabhu.org** or by **SMS/Whatsapp to Ganesh Satonkar - 9535119497**. All donations for Annadaan during Shri Datta Jayanti Mahotsav 2025 are exempt from income tax under section 80G of the Indian Income Tax, Act, 1961